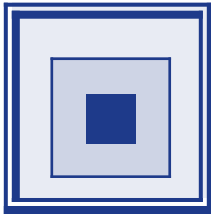


सरस्वती विद्या निकेतन

शास्त्री नगर, जयपुर



प्रोजेक्ट रिपोर्ट

स्वच्छ भारत अभियान

मेरा विद्यालय, मेरा मोहल्ला : स्वच्छता की ओर एक कदम

प्रस्तुतकर्ता

यश कुशवाहा

कक्षा 8 (स)

अनुक्रमांक : 33

मार्गदर्शक

सुश्री पूजा नेगी

सामाजिक विज्ञान शिक्षिका

सामाजिक विज्ञान विभाग

सत्र 2025-26

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि यश कुशवाहा, कक्षा 8 (स), ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में "स्वच्छ भारत अभियान" पर यह परियोजना कार्य पूरी लगन और ईमानदारी से पूर्ण किया है।

यह परियोजना केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार मेरे मार्गदर्शन में तैयार की गई है। विद्यार्थी ने जानकारी एकत्र करने, सर्वेक्षण करने और निष्कर्ष निकालने में सराहनीय परिश्रम किया है।

सुश्री पूजा नेगी

मार्गदर्शक शिक्षक

बाह्य परीक्षक

हस्ताक्षर

श्रीमती कविता मल्होत्रा

प्रधानाचार्या

आभार

सबसे पहले मैं अपने मार्गदर्शक सुश्री पूजा नेगी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इस परियोजना के हर चरण में धैर्य के साथ मेरा मार्गदर्शन किया और मेरी छोटी-छोटी शंकाओं का भी समाधान किया।

मैं श्रीमती कविता मल्होत्रा, प्रधानाचार्या, सरस्वती विद्या निकेतन, का भी धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने हमें ऐसे उपयोगी मुद्दे पर काम करने का अवसर और आवश्यक सुविधाएँ प्रदान कीं।

सर्वेक्षण के दौरान जिन परिवारों, दुकानदारों और कर्मचारियों ने अपना समय देकर मेरे प्रश्नों के उत्तर दिए, उनके सहयोग के बिना यह रिपोर्ट अधूरी रहती। मैं उन सभी का आभारी हूँ।

अंत में मैं अपने माता-पिता और मित्रों को धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने पूरे समय मेरा उत्साह बढ़ाया और सामग्री जुटाने में मेरी सहायता की।

यश कुशवाहा

कक्षा 8 (स)

विषय सूची

1. प्रस्तावना.....	5
2. परियोजना के उद्देश्य.....	5
2.1 कार्य-क्षेत्र.....	5
2.2 कार्य-पद्धति.....	5
3. स्वच्छ भारत अभियान : एक परिचय.....	6
3.1 प्रमुख उद्देश्य.....	6
3.2 जन-भागीदारी.....	6
4. स्वच्छता और स्वास्थ्य.....	6
4.1 व्यक्तिगत स्वच्छता.....	6
4.2 सामुदायिक स्वच्छता.....	7
5. कचरा प्रबंधन.....	7
5.1 हरा और नीला कूड़ादान.....	7
5.2 घर पर खाद बनाना.....	7
6. सर्वेक्षण एवं आँकड़ों का विश्लेषण.....	8
6.1 सर्वेक्षण का विवरण.....	8
6.2 अभियान से पहले और बाद में.....	8
6.3 प्रमुख निष्कर्ष.....	9
7. चित्र-संग्रह.....	10
8. सुझाव.....	10
9. निष्कर्ष.....	11
10. संदर्भ सूची.....	11

1. प्रस्तावना

स्वच्छता केवल झाड़ू लगाने का काम नहीं, बल्कि एक संस्कार है। स्वच्छ वातावरण में रहने वाले लोग स्वस्थ रहते हैं, बीमारियों पर कम खर्च करते हैं और उनका मन भी प्रसन्न रहता है। महात्मा गांधी ने कहा था कि स्वच्छता स्वतंत्रता से भी अधिक महत्वपूर्ण है।

इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए 2 अक्टूबर 2014 को, गांधी जयंती के दिन, स्वच्छ भारत अभियान आरंभ किया गया। इसका उद्देश्य देश को खुले में शौच से मुक्त करना, कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन करना और लोगों की आदतों में स्वच्छता को शामिल करना था।

इस परियोजना में मैंने अभियान के उद्देश्यों को समझा, अपने विद्यालय और मोहल्ले की स्वच्छता का निरीक्षण किया तथा सुधार के लिए एक छोटा अभियान चलाया।

2. परियोजना के उद्देश्य

इस परियोजना के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

1. स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्य और महत्व को समझना।
2. स्वच्छता और स्वास्थ्य के आपसी संबंध को जानना।
3. अपने विद्यालय और मोहल्ले की स्वच्छता की स्थिति का निरीक्षण करना।
4. कचरे के पृथक्करण और खाद बनाने की विधि सीखना।
5. मित्रों और परिवार को स्वच्छता के लिए प्रेरित करना।

2.1 कार्य-क्षेत्र

यह परियोजना हमारे विद्यालय परिसर और पास के एक मोहल्ले तक सीमित है। निरीक्षण के लिए विद्यालय के 10 स्थानों और मोहल्ले की 3 गलियों को चुना गया।

2.2 कार्य-पद्धति

जानकारी पुस्तकों, समाचार-पत्रों और शिक्षकों से बातचीत द्वारा एकत्र की गई। विद्यालय और मोहल्ले का निरीक्षण एक जाँच-सूची के आधार पर दो बार — अभियान से पहले और बाद में — किया गया।

चरण	कार्य	अवधि
1	विषय की जानकारी और जाँच-सूची बनाना	पहला सप्ताह
2	विद्यालय व मोहल्ले का पहला निरीक्षण	दूसरा सप्ताह

चरण	कार्य	अवधि
3	स्वच्छता अभियान और जागरूकता रैली	तीसरा सप्ताह
4	दूसरा निरीक्षण और रिपोर्ट	चौथा सप्ताह

तालिका : परियोजना की कार्य-योजना

3. स्वच्छ भारत अभियान : एक परिचय

यह अभियान देश के इतिहास के सबसे बड़े स्वच्छता अभियानों में से एक है। इसे दो भागों में चलाया गया — ग्रामीण क्षेत्रों के लिए और शहरी क्षेत्रों के लिए।

3.1 प्रमुख उद्देश्य

अभियान के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं :

- हर घर में शौचालय और खुले में शौच से मुक्ति
- घर-घर से कचरा संग्रह और उसका वैज्ञानिक निपटान
- सार्वजनिक स्थानों की सफ़ाई
- लोगों में स्वच्छता के प्रति व्यवहार परिवर्तन

3.2 जन-भागीदारी

इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें विद्यार्थी, खिलाड़ी, कलाकार और आम नागरिक बड़ी संख्या में जुड़े। कई शहरों और गाँवों के बीच स्वच्छता को लेकर स्वस्थ प्रतियोगिता भी शुरू हुई।

4. स्वच्छता और स्वास्थ्य

गंदगी कई बीमारियों की जड़ है। खुले में पड़ा कचरा मक्खियों और मच्छरों को जन्म देता है, जो हैज़ा, डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियाँ फैलाते हैं। गंदे हाथों से खाना खाने पर पेट के संक्रमण होते हैं।

4.1 व्यक्तिगत स्वच्छता

रोज़ नहाना, नाखून काटना, साफ़ कपड़े पहनना और खाने से पहले तथा शौच के बाद साबुन से हाथ धोना व्यक्तिगत स्वच्छता के मूल नियम हैं।

4.2 सामुदायिक स्वच्छता

घर के साथ-साथ गली, पार्क, बाज़ार और विद्यालय को साफ़ रखना भी हमारी ज़िम्मेदारी है। एक व्यक्ति द्वारा फेंका गया कचरा पूरे मोहल्ले को प्रभावित करता है।

बीमारी	फैलने का माध्यम	बचाव
हैज़ा / दस्त	दूषित पानी और भोजन	उबला पानी, साफ़ हाथ
मलेरिया / डेंगू	जमा पानी में पनपे मच्छर	पानी जमा न होने दें
टाइफ़ाइड	दूषित भोजन और पानी	साफ़ भोजन, टीकाकरण
त्वचा संक्रमण	गंदगी और अस्वच्छता	नियमित स्नान

तालिका : गंदगी से फैलने वाली कुछ बीमारियाँ

5. कचरा प्रबंधन

कचरा प्रबंधन का पहला नियम है — कचरे को उसके स्रोत पर ही अलग करना। यदि घर में ही गीला और सूखा कचरा अलग कर दिया जाए, तो उसका निपटान बहुत आसान हो जाता है।

5.1 हरा और नीला कूड़ादान

हरे कूड़ेदान में गीला कचरा — सब्ज़ी-फलों के छिलके, बचा हुआ भोजन, पत्तियाँ — डाला जाता है। नीले कूड़ेदान में सूखा कचरा — कागज़, प्लास्टिक, धातु और काँच — डाला जाता है।

5.2 घर पर खाद बनाना

गीले कचरे से घर पर ही खाद बनाई जा सकती है। एक मटके या डिब्बे में गीला कचरा और सूखी पत्तियाँ परत-दर-परत डालकर ढक दिया जाता है। लगभग 45 दिनों में यह काली, गंधहीन खाद बन जाती है, जो पौधों के लिए बहुत उपयोगी है।

यहाँ चित्र / फोटो लगाएँ

चित्र : विद्यालय में रखे हरे और नीले कूड़ेदान (फोटो स्थान)

6. सर्वेक्षण एवं आँकड़ों का विश्लेषण

अभियान से पहले और बाद में विद्यालय के 10 स्थानों का निरीक्षण किया गया। प्रत्येक स्थान को स्वच्छता के आधार पर 1 से 5 तक अंक दिए गए।

6.1 सर्वेक्षण का विवरण

निरीक्षण स्थल	विद्यालय के 10 स्थान, मोहल्ले की 3 गलियाँ
निरीक्षक	लेखक और कक्षा के चार साथी
पैमाना	1 (बहुत गंदा) से 5 (बहुत स्वच्छ)

6.2 अभियान से पहले और बाद में

स्थान	पहले	बाद में
कक्षा-कक्ष	3	5
खेल का मैदान	2	4
कैंटीन के पास	2	4
पानी पीने का स्थान	2	4
शौचालय	3	4
मोहल्ले की गलियाँ (औसत)	2	3

तालिका : स्वच्छता अंक — अभियान से पहले और बाद में (नमूना आँकड़े)

अभियान के बाद लगभग हर स्थान के अंकों में सुधार हुआ। कैटीन और पानी पीने के स्थान पर कूड़ेदान रखने से सबसे अधिक अंतर आया।

6.3 प्रमुख निष्कर्ष

- कूड़ेदान पास में होने पर लोग कचरा इधर-उधर कम फेंकते हैं।
- विद्यार्थियों की निगरानी टोली बनाने से कक्षाएँ अधिक साफ़ रहीं।
- मोहल्ले में सुधार धीमा है; इसके लिए निरंतर प्रयास चाहिए।

7. चित्र-संग्रह

परियोजना के दौरान लिए गए फोटो और बनाए गए चार्ट यहाँ लगाएँ। हर चित्र के नीचे उसका छोटा-सा परिचय लिखें।

फोटो लगाने का स्थान

चित्र 1 : स्वच्छता रैली में विद्यार्थी

फोटो लगाने का स्थान

चित्र 2 : अभियान के बाद साफ़ खेल का मैदान

8. सुझाव

अध्ययन के आधार पर हम निम्नलिखित सुझाव देना चाहते हैं :

- हर कक्षा में दो विद्यार्थियों की “स्वच्छता टोली” प्रतिदिन बदलकर बनाई जाए।
- विद्यालय में हर महीने “स्वच्छ कक्षा पुरस्कार” दिया जाए।
- मोहल्ले में हर गली के मोड़ पर हरे-नीले कूड़ेदान रखे जाएँ।

- घर पर गीले कचरे से खाद बनाने की शुरुआत करें।

9. निष्कर्ष

इस परियोजना से मैंने सीखा कि स्वच्छता किसी सफ़ाईकर्म या सरकार की अकेली ज़िम्मेदारी नहीं है। जब हम सब मिलकर छोटे-छोटे प्रयास करते हैं, तो बड़ा परिवर्तन दिखाई देता है। हमारे विद्यालय में केवल तीन सप्ताह में आया सुधार इसका प्रमाण है।

यदि हर नागरिक “न गंदगी करेंगे, न करने देंगे” का संकल्प ले, तो स्वच्छ भारत का सपना अवश्य पूरा होगा।

10. संदर्भ सूची

6. सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन, कक्षा 8 — पाठ्यपुस्तक
7. विद्यालय पुस्तकालय की स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी पुस्तकें
8. स्वच्छता संबंधी सरकारी जन-जागरूकता सामग्री
9. समाचार-पत्रों में प्रकाशित स्वच्छता सर्वेक्षण संबंधी लेख